सूरज टैक्सटाइल मिल, मालोट (पंजाब राज्य) में सेवा से हटाये गए श्रमिक

567. **श्री मदन तिवारी :** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आपात स्थिति के दौरान सूरज टैक्सटाइल, मिल, मालोट (पंजाब राज्य) में कुल कितने श्रमिक सेवा से हटाये गए ;

(ख) क्या राष्ट्रीयकृत कपड़ा मिलों की भांति ही इस मिल के श्रमिकों को सेवा में बहाल कर दिया गया है ;

(ग) यदि हां, तो उन्हें कब बहाल किया गया, और यदि नहीं तो इन्हें कब बहाल किया जायेगा ; और

(घ) क्या सेवा से हटाए गए श्रमिकों के विरुद्ध अपराधिक मामले दर्ज किए गए थे जो अभी तक निर्णयाधीन हैं।

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती आभा मयती) : (क) चौदह ।

(ख) नौ कर्मचारियों को बहाल कर दिया गया है ।

(ग) पांच कर्मचारी 8 जून, 1977 को तथा 4 मार्च, 1978 को बहाल किये गये थे। एक अन्य कर्मचारी जिसे 4 मार्च, 1978 को मिल में आने को कहा गया था अभी तक नहीं पहुंचा है । 30 जुलाई, 1976 को कारखाने के प्रबन्धक पर हमला करने वाले शेष चार कर्मचारियों को न्यायालय ने सिद्धदोष करार दे दिया है । अत: उन्हें सेवा में वापिस नहीं लिया गया है ।

(घ) पांच कर्मचारियों के विरुद्ध राज्य सरकार द्वारा अपराधिक मामले दर्ज किये गये थे । चार कर्मचारी न्यायालय द्वारा सिद्धदोष करार दे दिये गये हैं और कोई भी मामला निलंबित नहीं है ।

Issue of Censorship Certificate to the film entitled 'Satyam Shivam Sundaram'

568. SHRI OM PRAKASH TYAGI: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) when the film 'Satyam Shivam Sundaram' was passed by the Board of Censors;

(b) are the Government aware that the picture has a number of scenes showing nude vulgar poses;

(c) is it correct that kissing has been shown clearly on the screen;

(d) have the Government laid down any guidelines for not exhibiting vulgar scenes on the screen;

(e) if so, the reasons for overlooking them in passing this picture; and

(f) steps proposed to be taken to stop the exhibition of kissing and nude scenes from this picture?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI L. K. ADVANI): (a) The film 'Satyam Shivam Sundaram' was certified by the Board of Film Censors on 22-3-1978.

(b) to (f). The Board of Film Censors are required under the guidelines issued to them to ensure that there are no scenes of vulgarity, obscenity and depravity which might offend human sensibilities. Amorous scenes and shots of the human form, partially exposed, that this film contains were not considered offensive to such sensibilities. The film was certified for public exhibition restricted to adults only.